

UNNAT BHARAT ABHIYAN

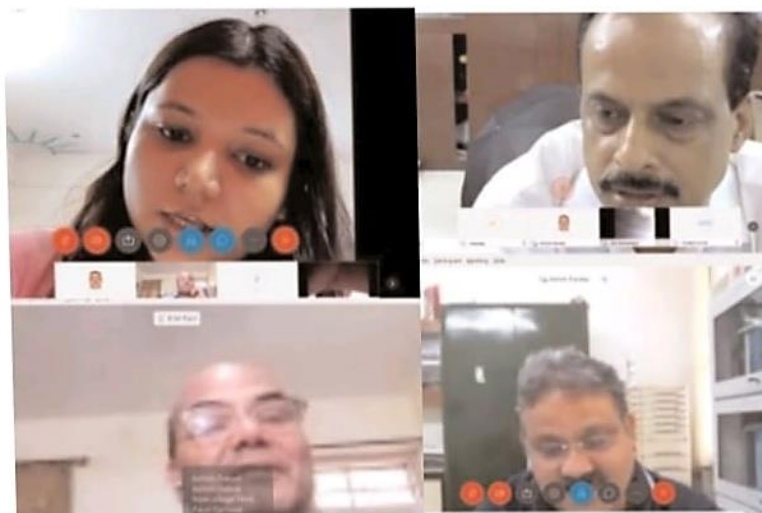
Regional Coordinating Institute, Indian Institute of Technology Roorkee

(News Clipping)

19 जुलाई 2020

‘आदर्श ग्राम स्मार्ट विलेज के लिए योजना’ विषय पर चार दिवसीय वेबिनार का शुभारंभ

वीर अर्जुन संवाददाता
रुड़की, 19 जुलाई। उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत रोजनल कोऑर्डिनेटिंग इंस्टिट्यूट-आईआईटी रुड़की एवं राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज संस्थान गुवाहाटी द्वारा संयुक्त रूप से प्रिपरेशन ऑफ मॉडल विलेज स्मार्ट विलेज प्लान यानी ‘आदर्श ग्राम स्मार्ट विलेज योजना की तैयारी’ विषय पर चार दिवसीय वेबिनार का शुभारंभ हुआ। उक्त वेबिनार 18-19 जुलाई एवं 25-26 जुलाई को आयोजित किया जा रहा है। चार दिवसीय वेबिनार के अंतर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज संस्थान गुवाहाटी के विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न तकनीकी सत्रों में प्रतिभागियों को आदर्श ग्राम की प्लानिंग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। वेबिनार के आयोजक क्षेत्रीय समन्वय संस्थान-आई आई टी रुड़की के रोजनल कोऑर्डिनेटर प्रो. आशीष पाण्डेय ने उक्त वेबिनार के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की अवधारणा के



वेबिनार में प्रतिभाग करते हुए।

अनुरूप गांवों का समग्र विकास करके उन्हें न सिर्फ आदर्श व स्मार्ट गांव बनाया जा सकता है बल्कि इससे आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को यथार्थ में परिवर्तित किया जा सकता है। उक्त वेबिनार का शुभारंभ करते

हुए आई आई टी रुड़की के उप निदेशक प्रो. एम परिदा ने बताया कि उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार के पंचायतीराज मंत्रालय द्वारा आई आई टी रुड़की के अंतर्गत दो गांवों

बेलडी व छारबा के विकास हेतु स्थानिक प्लानिंग तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके लिए आई आई टी रुड़की के आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग विभाग से प्रो. उत्तम कुमार एवं प्रो. शुभजीत

के नेतृत्व में कार्ययोजना तैयार किये जाने का निर्णय लिया गया है। उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम से जुड़े विद्यार्थियों को टीम द्वारा कार्ययोजना को क्रियान्वित किये जाने की दिशा में काम शुरू किया जायेगा। वेबिनार के उद्घाटन सत्र को आई ए एस अधिकारी जॉइंट मजिस्ट्रेट रुड़की सुश्री नमामि बंसल ने भी सम्बोधित किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि गांवों में मूलभूत सुविधाओं के आभाव में ही युवा ग्रामीण शहरों की तरफ पलायन को मजबूर होते हैं। यदि गांवों में मूलभूत सुविधाओं का विकास हो जाये तो न सिर्फ इन युवाओं का पलायन रुकेंगा बल्कि गांव में खुशहाली व आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनके कार्यक्षेत्र में आने वाले बेलडी गांव के विकास में आई आई टी रुड़की व पंचायतीराज मंत्रालय द्वारा जो भी योजनाएं बनाई जाएंगी उनके क्रियान्वयन में स्थानीय प्रशासन के स्तर पर हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।